THE INSTITUTE FOR ADVANCED STUDIES OF WORLD RELIGIONS

FILM—STRIP NO.
MBB—1971— 119-60

BUDDHIST SANSKRIT MANUSCRIPTS

MICROFILM PROJECT MBB – II

MBB-1973-119
1. Film strip number

44
2. Source

AHORĀTRAPADASĀDHANACARCĀ
3. Title

4. Additional titles, shortened forms of title, etc.

N.S. + 880 = A.D.
5. Year in which MS was copied (Nepali Samvat and Christian Era)

6. Name of Scribe

NEPĀLĪ PAPER
7. Material (Palm leaf, etc.)

NEWĀRĪ
8. Script

8 cm. x 22 cm.
9. Size

6
10. Lines to a page

23 (77–99)
11. Number of leaves in complete work

12. Missing leaves

13. Author and Date of composition (if given)

14. Number of Chapters

It contents songs.
15. Remarks

January 25, 1973
Date photographed

ॐ नमः श्रीचक्रसंवराय ॥ ॥ ॐ नमः श्रीवज्रवाराहीनाय ॥ ॥ आह्वानार्घ्यपद
[illegible]नयाचमनीयक[illegible]मला ॥ ॥ भूतसं[illegible] मुद्रापूजा ॥ हृदाहनम ॥
१ ॥ मुद्राहृदय ॥ धन २ ॥ श्मशान कारा ॥ नंदिनमस्कार ॥ ३ ॥ नागमा-
ला ॥ ४ ॥ विश्वसनानूह ॥ ७ ॥ हल मिल ॥ ७ ॥ त्रिभुवनहृलिम ॥ ८ ॥ त्रम
हिमंडल ॥ ७ ॥ मातृकापूजा ॥ गीत ॥ भूकालसंकाह ॥ ९ ॥ मूलनु[illegible] ॥ नमा
मिश्रीचक्रसंवरघन ॥ २४ ॥ मूलकर्म ॥ हैं हैं दह ॥ २८ ॥ मूलकर्म ॥ कालाग्न्हू ॥ २६

४६ ॥ मूलकर्म ॥ पनमनका ॥ ८१ ॥ मूलकर्म ॥ नमाहं ॥ २० ॥ मूलकर्म ॥ गुह्यम
ण्डिक ॥ १९ ॥ कर्महि मचार्य्यफलश ॥ गुन्मनितंकन ॥ १४ ॥ मूलकर्म ॥ छिह
ञ ॥ २१ ॥ मूलकर्म ॥ लाहन ॥ ५२ ॥ गुनमण्डल·गीक ॥ मध्यमद्र ॥ ४३ ॥
ममाथिगीक ॥ भूनिल ॥ १६ ॥ माम विभूलागीक ॥ नक्षचर्न्ह ॥ ६८ ॥ धप
भावनगीक ॥ नमाहं ॥ २० ॥ दक्षचामाशु ॥ हिमचार्य मफलनम ॥ छंविनि ॥ ४१ ग १
मूलनम ॥ वमाहि मण्डल ॥ १ ॥ हिमचार्य्य मफलनम ॥ ञनञिका ॥ ४३ ॥ कर्म

जिनवनजननि॥ ८४ ॥ कर्म॥ ॥ नागहेतवि॥ कालरूप॥ नमामि श्री चण्डम
हारोषणदेवहूमनंभिपापहयवहनतं २ जगतपनीज्ञातंहयग्रवहवतंमानविपू
र्णदनंभज्ञानं॥ ॐ कंहूंधवती मङ्गलउपानिननविनाशिमङ्गलज्ञानु
पादन्यस्तभूचलवीनं २ गर्जपन जीमूतनीलवर्णंनिविकपनेकाध
ठेलोकवीनं॥ ॥ दाहिनरवज्रदलानितविदलनंत्रिभुवनकंपिकतनभूतन २
त्रमर्जतीतुङ्गशन्त्रपाशधनं इदीन्द्रइसानिवन्धेकनमं॥ ॥ भूतिपापनादि

कें नाडुहृ यें कवंङनिलात्वनं छेलाक्कनलं २ इष्टखङ्ग्रहृनं मालवलं दं गदिगे
मानसंङाहृक्कनलं ॥ ॥ पं चक्षगक दलनलं संहृनलं वि घ्राविधमनं श्रु वलं:
बीनं २ भूविमधपनमादीवकस्रु नूननंलेगर्जहृनथी नकेकसुनूस्म
नलं ॥ ॥ मूल ॥ कलिजवजान ल ॥ २२ ॥ मूलं ॥ हैं विज स्नहृवबीसिमा १८
लधुननीक ॥ वङमयहृमि ॥ ७२ ॥ कर्मनाकिनतकाशक ॥ शोखवकें ॥ ७१ ॥
कर्म ॥ प्रमादिका ॥ ७४ ॥ बहृधानीषिवासन ॥ गन्धमधुल ॥ ७३ ॥ कतनीथिवा

सन॥ निर्मा॥ मन्त्रुआ॥ १४॥ वालिविषगीत॥ ॐ आः हूं हन॥ ६३॥ रवब चामागु॥
गुनम ल्लगीत॥ गंध्यमंत्र॥ १५॥ समाधिगीत॥ जिनेल॥ १३॥ मामकिपूजा
गीत॥ वज्रकर्म॥ ११॥ धूपनार्व नगीत॥ नमा हूं॥ १८॥ रवब चामागु
॥ वाहिनगीत॥ ज्रिहृ॥ ॥ म संदवज्रवनगीत॥ स्वद सहाय॥ ४१
॥ गमवज्रगीत॥ ॥ ४२॥ वज्रधमसानपूजागीत॥ वज्रधमसाना॥ ६१॥
समांसनिगीत॥ धुमांसा॥ नि॥ ६४॥ पृथिविपदसाधनपूजायाद क्रमन॥ ॥

॥ ॥ स्कन्दतेजस्कन्दयान्तवांकं पद्मतल॥ ॥ पूजायाय भस्म मूलउपा

भाकमेन्द्र म[illegible]यामल्लाभिय॥ [illegible]नानैदेवस्थापूजा॥ हाजादेवला॥ १

॥ मूलहतुवनगीत॥ ४वश॥ ३यानि लाहूदिकल्ठन पूजा कल्ल॥ नन्दिन

मस्कान॥ ३॥ नागमाला॥ ४॥ षि वसवान्हू॥ ५॥ समाधिगीत॥ जुनी

ल॥ १५॥ कलस पूजा गीत॥ जुनकृव॥ १७॥ अग्निस्थापन गीत॥ त्रिविलाय

न॥ १८॥ कामक्रीय पूजा गीत॥ नकवर्ह॥ १९॥ मपस्मायसमीत॥ २०॥ नमाहू॥

७९

रमवामाग॥ न्याकृतिगिन॥ कलिकवजानल॥ २२॥ जाकवलिविषकगिकला॥
ॐ न्याहुँ ९०॥ पंचसनागिन॥ कालाक्ष्मा २१॥ मिलाकृतिगिगन॥ सर्वचक्र॥ मू
लावाम्भेनूला॥ पंचसावीगिन॥ | हागालवला॥ उमामाकहल॥ वारि
का॥ चक्रिकनहल॥ ८॥ संहावगी | का॥ जयंश॥ ३०॥ मूजाकादयगीक॥
भारमहाय॥ ॥ गसवक्रगिन॥ गजाक्रिन॥ ॥ वीमय॥ ॥ समवलिगीन
॥ प्रमाहिका॥ ॥ धामिसहनाक्रयाचनाकेन्ठहल॥ ॥ ॥ ॥

दुःखानलनाश॥ मायाजालविनिस्सृत्य शाश्वतीना २ मोहमानदर्प्पकादिदमाया
मोह॥ ५॥ अतसंसारजसारं २ नागद्वयमोहस्कादिदेवीनिवज्ञामा॥ ॥जीनि
मिरवनयनदद्रुधनिया २ जन्मस | वीचिकदहयपूल्यद॥ ॥सहज
संहारवेकयउदनागकधनियान्त्रेरे | श्वयंनमस्लवासनीनूवी॥ ॥नव
धवउदयचन्द्रपायाप्रसादे २ मवनिदृशरवपाहवचक्रकाविधी॥ ॥ ॥
हामनाश॥ त्रिदलकमलवर्णकुसुमसंगमधुकनहद्रबालिना २ श्रीविद्

८०

पाऊखगमूरवदेवी।भदनेयालव्यापिका।।७।।नमामिदेवी नेबाल्मा त्रिभुवनमा
गावक्कलादेवी।श्रीमृगस्थली। सवपमूवामूवबान्दकचनदेशअनेगमक्षिसि
त्रिवयप्रसादा।। ।।नन्दनवनमि वचन्दनकबूवअनेगकुसमपावि
जाकवंश निम्नगंगभल्लानबागम किर्तीर्थअनेगकीर्थकुत्रवना।। ।।
अष्टहैनवअष्टयोगिनीदेवीअनेगदेवामूवकुत्रपाल अष्टमहाहयश्मिकानि
नवानूवअनेगविघ्ननिवारदेवी।। ।विश्वव्यापिकानूनीदेवी।अरवयानि

नेऊनजाभिमय २ जुहिमनमसलवहलसायनीहवी। जन्मजन्मकुजुपायभवना
॥ छ ॥ थना श्रीनारागा ॥ गजमूस्वत्रिनयनकाजुवपरनृग्याधिपानिगाहलभ्वना
२ मनिमूल्कनलाहनभ्वाकनूनि ॥ किनहसमकाभिका ॥ छ ॥ मानिया
विघ्नमानियाहयेमानिहूकाविर नाभिका २ मानियामानामानसंत्रा
सासवनूवपनमहश्रवाविनाभिका ॥ ॥ पनकुवानीकूभवकूरवन्नाकिञ्चिपा
नहीहिनकवा २ मनलवनूस्वकांगस्वसनकनानिवामा ॥ ॥ विन्धिन्वत्राके

चूकमिवश्मा जटाकूटमणिमण्डना २ लम्बोदरनरकवधूमलंबोदरवरश्मा हापायल

मिरोसमिनिवाऊत्कं ॥ ॥ नरकाननधूम्रलेलोकालिकाम्बरिवकमूरवक्तीमिर्दर

या२ हीनाव२श्री हूमहूरवदाल ॥ नमोम्लुश्या २श्माधिपाति ॥ ३ ॥ ॥

मारूनारा ॥ पंचकपालाक्षवि २ श्मीलीयपंचस्थानपंचमूद्राल२श्मा

रननमिलमालाशीवश्मा हाव्या घ्रवर्मकाटिहीयकलयना ॥ ७ ॥ हूं हूंकावली

ऊत्कवरूना ॥ रवर्वलंबोदरनीलसमरदहा क्रांश्माधि श्रीमहाकालो पंचीमत

॥ खदिरवणी

नमस्पर्श्यहननिपिमा।हायनब्रह्मकपालधवा॥ ॥नत्लप्रटालाश्रीशिनयनाधी
नहर्यंकनाहीयमवदना ऊर्द्ध्वप्रक्कालिनापिंगलक्क्ला॥ऊनमलहंहसाकवृधा॥
मया॥ ॥कीर्हिकयालाधाविश्व१ ॥रवह्रांगमनागमहवक्ष्माकृहुलहावा
२नागभिनस्थनीपूननागमजस्व ॥नागमञाहवस्महसोहा॥ ॥जिन ८२
वनमौलिधाविश्वमकावज्रमासनमाव ऊकवीना२प्रकावृह्मकाण्ववकावा१
माध्वककृलिमाग्नूलवभवमा॥ हूं॥ ॥हैववीनाण॥ पूर्वब्रह्मायनिहंस

मानुष्टाकनककवर्णे अङ्गस्त्रधारी २ उलूकमाहे श्वरीवृषवाहिनी चक्रध्वन

त्रिशूलमयूरधारी ॥ ॐ ॥ ह्रीं ह्रीं अष्ट म्भ भान्नी नीलवानसहिता अष्ट हे नवगध

पफिसाहिका अष्ट माक्रि अमवध । माकृप्रसाता स्वसमनाट यापहयहव

ह्रीं ॥ ॥ पश्चीमकुवायशो ह्र १ । क्लिवाहन कंकमवर्णे वजहस्ता २ द

द्धि ॥ एवावाही घनधीवनूपें अंकुशसहितमहिश्वासनी ॥ ॥ ॐ भानेचद्धि

कारवीधूमवर्णे कवालिवताजमनूहस्तिका २ आग्नादिशं कौमारी मयूरवा

हननन्तज्ञानाज्ञासवर्णनस्ति हर्ण॥ ॥नैरात्मविशुद्धिगर्भतवाहनगताबज
सिद्धिकमपूनक्षमी॥२ वायुक्षचामृ॥ ॥२ वी॥ कालभवीभा॥ सिंहवाहनखड्ग
क्षमी॥ ॥अष्टकुलनागधी॥ वनितादिक ज्ञत्रपालनवग्रहोगीर
वी॥ प्रणमामिरवीश्रीज्ञानाधिया॥ ॥गुह्यकमूर्तिकियस्मि शिज्ञिकवज॥
ॐ॥ निवरना॥ ॥कमलविकाभिनाश्रितिकिास्वनकुमुदप्रियवर्ण समदहा
२ वजुनवरनकुवलयदलपमानिर्लुं प्रकाभिका॥ ॥ ॥नमामि २ श्रीमंजुश्रीस

७३

कलगन्नायास्थागतस्कन्धिरहृनस्थानवनश्रुस्सर्वहृस्थानस्कं:ध्वजमाविका
॥ ।प्रथमकनवयवजघन्ध्यधवमूत्रश्ली।लिंगिगनवा।जिना २ द्वितीयश्रीक्रम
धनहृदीयस्थानस्कन्धचतुर्थस्व || प्रश्नवधना॥ ।छहयन्तुजपाश
जुवनधर्मचापचतुर्थवाहहृपु || स्कवा २ नन्लमूकुटभिनस्थिरकवि
नयहममध्यनाविवना॥ ।निवश्रीवृक्षधर्यिमित्राभिकासर्वहृस्थानाविपु
लनागना २ ग्रहूचनमभनवशागानियनमा२वजकन्मना॥ ॐ ॥नामकनी

श्रीअजितशान्तिस्तवः

॥२॥ जिनवल्लभनयनत्रिभुवनश्रीकाधाकल्लोनिवासितजिनवल्लभमुनिना ३ नया
लमनुल्लमाग्रभभीहृकविकर्णभक्तगणनाथश्रुहयस्तता ॥ ३ ॥ त्रियोगाभिव
भियानुव्रजनानयानरस्वप्रभ मामिवृगमल्ललोकाश्ववनस्व ४ भि
क्षाथागीवल्लभस्कपविक्रमनाया तुंवर्णीकिस्तुगामाभिनवग्रस्वी ॥ ॥ना
श्रीकमलविकासितवाधियानवामकमलहाथ २ उत्क्रमस्तमनकथागक्कस्वा ८४
विद्रहश्वस्वहयहनभा ॥ ॥ हुँहुँहगवाभिकायहक्लिनमामिश्रीवृगमलली

ॐ नमः स्वरः नमामि रश्मीन नन्द्र स्वास्वर्गमर्त्यपातालस्वा ।। ।।रत्नहिमिद्धा
त्रिंशलक्षणधनाअनूणनचवनस्या २ श्रीअमिताभशिवगणधनियाश्रीलोकेश्व
रमनगानि ।। ॐ ।। नामसंगी ता ।। मनोजयत्रनयनत्रिभुवन
नाथ २ हिनञजअलयमुद्राधना ।। ॐ ।। नमाम्यहं श्रीशीर्षकवज्र २
त्रिभुवनस्वासननन्दपूजिता ।। ।।वामञजवनवृत्तिवधना २ जगतसंसार
प्रतिपालिता ।। ।।स्वागतपरस्वनभाजहाता २ हवलयहस्वहसर्गीतिनाअनै

॥ ॥श्रीशाक्यमुनिचवलमिवधना२ ह्ननयिनलक्कलिभगीमचनिका॥ ॐ

॥नाटवाग॥नमामि२जिनयंवधर्मेश्वसुस्वयंभु२ त्रिभुवनगनरूनवधर्मेश

तुवागीश्वन॥ ॥ नमामि२जिन पङ्कजिननमोस्तु२ दमहामिवाप्रि

भक्तमहासुखलाया॥ ॥स्वर्गम र्यपालतुवनश्रीकापाकल२ त्र

चउँनिरंजनमहासूक्ष्मवा॥ ॥धर्मेश्रीमित्रस्नानश्रीमित्र२ नेपालमण्डलमा ८५

ध्यस्तवालनृपि॥ ॥नामपूलकधनूधना२ दहिनत्रिष्टरवज्रभनधमनी॥

॥श्रीलोकेश्वर समुल महासत्त्व नाया २ राजाधिराज श्रीनयेन्द्र मल्ल देव॥
॥ ॥श्रीवज्राचार्य वन्धु दरु आचार्य २ हनयिवाक वज्रत्रिलोचनिना॥ ॥
॥नागदेवा ॥नमामि २ जिनध्व | गुकर्न दकचतुनमन्त्रि आलीक्का
२ पंच ज्ञान पंच धातु स्वरूपा वज्र | धर्म आलय श्वना॥ ॥ कनाहं हं २
जगत संसार उज्ञानया मनाह्वन नमास्तु २ पंचाजिन श्वना॥ ॥नमामि २ पंच
शान्ति पूजन श्वयामं क्रि सिद्धि वनदायनी २ इविमह्वन मस्सर्वपापं जयकनदान

नमामि २ जिनवज्र

पुष्पवृक्षमाळपरी॥ ॥नमामि २ धर्मधातुवागीश्वरधातुमण्डलवपरिमण्डि
का॥ धातुमण्डलमूलकायासर्वेश्वरपरिमण्डिका॥ ॥नमामि २ वागीश्वर
मञ्जुलयमयोगिनीनिवासिका २ सत्वविभाहितडुश्वरविनाशनप्रश्न
मामिवज्रेश्वरा॥ ❀ ॥वागवनरी॥ शक्तशक्तहाक्षवामञ्जुलेला
वीया.कोटिहारथनावा २ हा २ दकोटिहारथनावायोगिनीवृन्दयानवासश्वि ८६
तकनदेवा॥ ✿ ॥ॐकारमञ्जुलवाहविश्ववयोगीनीवृन्दयाय २ वज्रधातुश्व

नीकण्ठे आलिंगनवामहस्त सकलमाभ॥ ॥पूर्वचक्रविक्रयानदक्षिणनल
विस्तृयान पश्चिमपद्मप्रकाशनरुद्रव्यवस्त्रधवियान॥ ॥संपुटयागस्य
नाशनिमियरक्षाकमवियान॥ ॥नूपसन्नूपशब्दगन्धस्यमनस
एनिमानिधर्मधातुह्री २ कर्ह्न यामभुचनियागमवयवाहुन पूजन
हाय॥ ॥ नागमन्त्राज॥ कनकवर्ण देवी त्रिभुवनजननी २ धर्मभावव
वाहस्थलगामिनी॥ ॥ नमामीमानी चिदेवी सनननमाहिमा २ सकलमा

नरिष्टविघ्नविनाशिका॥ ॥चैत्यगृहमाध्ये अधमनमस्थिका २ यटकूजगत्रि
नयनत्रिशिवदना॥ ॥कमलमकामथनकलिभगअम्बिका २ सुवीरसूत्रवामस
व्यक्तर २ गाथा॥ ॥वदनसहित ॥ ॥स्थितयामनीलकालास्या २ विवि
डनवीनकमलवननीलकंचुका॥ ॥नागकनागा॥सकलजगतसं ८
सारनरूथाहं २ सर्वजनपवनहर्षकर्ताहं॥ ॐ ॥देवीत्रिभुवनजनअचलं २ ज
गतकृमयसर्वसिद्धिरूथाहं॥ ॥अहंवज्रिनहीसाक्रिस्थावनजगमाहं २ अ

हेम्त्र अहं प्रकाश्यनपुन्सकोहं॥ ॥ देवासुराहं जन्मजनकोहं २ अहं जन्मज
हेम्र्तुविघ्नास्तिक्रनहं॥ ✿॥ नागनाट॥ सकलभुवनगम्नवजसत्वेस्वनूर्ये
२ सर्वालंकारानपूर्णं सशुलसम | ह्रवं॥ ऊँ॥ देवीश्रीनूपरनेमाहक
नामस्वाहं २ अनन्तवारिधिनाथ | वीकमूत्यन्त्रं॥ ॥ अहोहाविस्मथा
धर्मेअहोविस्मयाचारी २ अहोविस्मनगृह्णो अहोमोरत्नसमरूवं॥ ॥ अ
होसमनकृतार्थं अहोसनकसंगम २ अहोसम्यसमहाशुक्रअहोकृत्वसम्स्वाव

श्रीदर२नमामि॥

हं॥ ॥अहानाथसमायुक्तअहागीकस्तनिर्मल२अहावाघाहिसंहागअ

हाकालसमावहं॥ ॥नागहेवा॥नमामि२श्रीहावीकिमहायगनीदेवी

२पैचअकपनिवानाथदेहयदेवी॥ ॥क्र॥ नमामि२पन्हनीमासकीदेवी

ऊगकसंस्थानपुष्पिकपालिका२ऊथ न्मऊन्मअग्निमिद्धिभाऊमुक्तिप्रसा ८८

दैकनाहूंहूं॥ ॥नमामि२सर्यवनदेवाविजयरमाहिमा२हादशवर्षपुत्रधी

त्रिविवाचिका॥ ॥नमामि२श्रीमंजूदेवनगीकचनिका२प्रणमामिपींठनी

नमामि२श्रीचूस्थानामहिकुमीदेवी२धर्मधातुयाचियालिकनिस्तु२

रवीमह्निसिद्धिरहिमा ॥ ॐ ॥ नागनाट ॥ अनमपुलमाध्यस्थानचक्रं २ न
लपीर अपानलली फामनस्थिता ॥ क्का ॥ नमामि २ श्रीहानकीरवी २ पंचअक
मृफावियधक्रमहात्मवा ॥ ॥ अव यमसत्त्वनपीप्रहस्तिकवरनार २ गीन
वर्धित्रिनिनयनसन्ध्वी ॥ ॥ त्रि याकनांगनलक्ष्मीकयाधि २ वृक्षा
मनास्थिकसर्वकामार्थसाधनी ॥ ॥ त्रिभुवनव्यापिकउक्षानिधि २ कनायि
श्रीमहासत्त्ववज्रगीकगावयी ॥ ॐ ॥ नागहासनं ॥ क्कालिभपद्माहवज्रिनक्ष

द्विजं।निरूपमधर्मेश्वरजुनूयं २ पंचज्ञानपंचजिनश्वरजु वैकुण्ठालय
कृपे। ॐ। नमामिश्री आकाशघटवजेश्वरजुव्यापिकअनगरवासनसविका॥ ॥
जगतव्यापिकत्रिभुवननेकनूयंश ॥ ॥स्कन्धमिपंचकथागतबजनपनिम
द्विजमस्तुला।विहिगकानाथ २ वीर ॥ ॥सिद्धिका॥ ॥याज्ञश्वबोधिसत्वत्रि ८६
भुवननामिके॥ ॥श्रीयोगाम्बरपंचडाकिनीपंचकुम्भश्वरआलिंगन।२न
मामिज्ञानेश्वरीत्रिभुवनजननीअनंगमाक्षिसिद्धिदायनी॥ ॥ॐ॥नागला

श्रीकल्यारिदेवीप

ना॥ काल्यारिदेवस्थितमपूजा त्वमिवामहिना॥ सिद्धिअलिंग त्रिभुवन २ सर्व
लम्बोदरनकालिकहूंकारा भूतनागा लमनककर्म्हचनरहा॥ ७॥ भूतनहयह
नदीसनदहरफाहनै मालवलम पनैयापहनन २ विविधिनिपुरवतु
नीवप्रकृदनै ॐ ह्रीं हारिदमहिग त्रामनी॥ ॥हिहिनकनप्रचण्डत्रिमि
लोचनैक्षयमनसासमूर्तिहिंगमं २ वामरवक्षीगवनवब्रह्मकपाला रुवसमडसा
गनमन्त्रपानी॥ ॥धीनक्रुन्नुवीनअटट्टहासी विडवक्रदष्ट्राकचालवरनै २

आग्रवर्मेनिवसननननमूर्छुमालाञ्जलिबलिरवादनमक्षिहलर्दं॥ ॥गावकि

स्तनवजगृनुजलध्यानं ६ ७ हावनास्तनेमानकनु २ बुद्धधर्म्मआसनसंघपनि

नकाकश्रीमहाकालजवपादे॥ ॥नर्वी॥ ॐ ॥ नागकामादे॥ त्रुश्रीत्र

विघ्नपनिमस्थिर्कंकं दंम्हाविम्नु श्रीकिजनीलवर्ण्ह २ श्रीवज्रडाकम

भिमहुलस्थैनंकानसंजाकत्रनमामिआकं॥ ॥नृयाङ्ध्यकाप्रनिस्तस्थित ९०

कैवृर्ध्यैत्रिमृडाकिजगुक्रवर्ण्ह २ श्रीवज्रडाकमभिमहुलस्थैनंकानसंजाक

प्रणमामि सार्कं ॥ ॥ स्वेतवर्णार्थापत्रिसैस्थितकं नलीकमुद्रांकितपीतवर्ण
२ श्रीअनलजाकरविमण्डलस्थनैकावसैजाकप्रणमामि शार्कं ॥ ॥ मयूरनपृ
ष्ठार्थापत्रिसैस्थितकं पद्माकमुद्रांकि कवरक्तवर्ण २ श्रीयमजाकरविमण्डु
लस्थैंत्रकावसैजाकप्रणमामि शार्कं ॥ ॥ स्वरगास्वाङ्गापत्रिसैस्थि
तकं हयाग्रमुद्रांकितश्याहवलाहे २ श्रीविश्वजाकरविमण्डलनैमंकावसैजाक
प्रणमामि शीर्कं ॥ ॐ ॥ नागमन्त्रा ॥ हरितकमलापत्रिचविअजीमण्डला

२ नाहूकालाग्निमाश्वरनहन चापयिथा ॥ क्र ॥ नीलल्लाहिकथीफशिनव्वठव
द्ना २ जटामूकुटवज्रमणिवजहूम्या ॥ ॥ ओंवकप्रकिमूरवाविश्ववपायाक्री
डिमा २ जिनप्रकिमौलिजिनकन २ला ॥ हिमा ॥ ॥ द्हिनवजासिडिजनू
लवनीफिवाश्रीक्रूभ २ जमद्मू दलवक्रकूरूद्श्रुक्रूभ्ना ॥ ॥ वा
मघश्ठाहनश्ररवद्दीगकपाला २ धनूपाभवल्लपश्रभीरवभानदर्ष्यश्ला ॥ ॥ ॥९१॥
धठरवलब्रह्माभिनधविवानवाया २ जिनगूह्यविद्याधाधिसत्वसाहिमा ॥

॥ ॥श्रीश्वनाजशूनिमाह्लगशामस्वास्त्यै २ ओंह्रयमादिगणपानिगुह्या॥ ॥
नागनक्षत्रत्रिकोटिगणवृता २ प्रणमामिचक्रेश्वरकालचक्री॥ ओं॥ नागाय
त्मा॥ श्वानमकमत्रपापविशमि मङ्गला श्वाहूकालाग्निमाम्यमदन
ह्यवापयिया॥ ९॥ ह्रैं ह्रूं नावश लक्षणचक्रसमन्विता २ स्थानहूयिक
नृपकालचक्रा॥ ॥वज्रमालाक्लनमविस्तृधिद २ ओंहूंस्वाशिक्रिप्रसा·कनाहूं २
॥ ॥नीललोहितपीतश्वितचतुवदना २ जयामुकुटवज्रमणिमयजस्थिव

[illegible]

स्म॥ ॥याद्दशलीचनचतुर्विंभुजा २ शृष्टजुष्टनीलाबृह्मश्रिद्वक्षी॥ ॥
कुलिशघण्टाद्दिनानाभुजध्वजा २ श्रीबीजमाताशुभिवृत्यपदस्था॥ ॥ना
गधाति॥ हिनकवमहुलमदि । दवबा॰वंबीमश्रीवर्ज्जिद्दाहृशनय
ना २ नीलस्यामल्लाद्दिकपीकाल॥ क्राधसमाधिविकटननाः॥ ॥या ॥९२॥
गिनीह्यनाकावसत्रूव॰ह्यालिंगद्दाहृहूकार कुलिशघण्ठगजचर्म्मत्र
मरुव॰धत्रियापवशुकवर्जिपाध॥ ॥वामखट्वांगकपालत्रिशूलधारि

याखं कपाला २ आलिकालि इयि चापयियाग छानाट वनस्प्रनरिस्नि ॥

॥ विश्वकालि भगर्द्धंचत्रपफ हृक्षियापंचकपाला २ वानाह्रीआलिंगद्व

आहाअम्बकहोथवस्नयना ॥ ॥ वक्रीक्र छुलमृज्ञाजिनामाला

क्रत्रिनीवीनगननायका २ सहजा नैन्द ञनियानमहुलप्रभमासिह

नृवनाया ॥ ङ्कं ॥ नागम नाउ ॥ नृत्यफिपनममहाम हृ हृनृव २ विविधिवाघ

मनजाफयका ॥ क्ष ॥ फनाहृ हृं फनाहृं हृं २ फनाफक हृं हृं हृं ठौं आ ४ हृं हृं ॥ ॥ क

मलक्ष्मीलिभअन्दजविर्गाविकाः२ मक्तुओंपओंलिमनुजाइक्॥ ॐ ॥नागकदि॥
अवजात्तनास्थिनपश्चाह्वीं२ सनाज्ञनसनपाफलकर्स्थी॥ ॐ ॥निर्स्रुंप्रभमामि
त्रुलाक्षनार्थ२ र्ग्गिदिह्यहस्वः॥   सूर्यगतिहृष्टी॥ ह्हिनवलहफनवा
मकमलथना२ ननकाह्रकस्व२   लस्स्खपरृस्ती॥   ॥वीनत्वक्र२आहि ॥९३॥
नकृदायक्त २ अमिकाहमीलिनीजिनकनयी॥   ॥फायाक्रणभनश्रीवृगम
श्वं२गावनिनलवजम्भक्तिलाहहृुना॥ ॐ ॥नागनाट॥पर्भपावितृन्ह

॥ नमामि २ मैत्राय

मण्डलासनस्थं २ सव्यकनकवनरत्नाभपद्मधरी ॥ ६ ॥ कुन्दकोटिसमनिर्मलं सर्व
केशसम्पूर्णं २ हिमकनककोटिसमधवलसदृशं ॥ ॥ रुचसमसमहार्वस्त
वेहावस्त्रवहाव २ नयकगाभिगकाञ्च कंभाकवचनरायकं ॥ ॥ सूत्रासूत्रन
नाचिकाप्रवंशस्थिकं २ हनयिश्रीमह सरवबजचविमा ॥ ७ ॥ नागरैरवी
॥ नमामि २ मैत्रवज्रासनस्थर्यासनाविश्वविलासन्या २ पंचवज्रात्मकत्रयवज्राप
सनपरश्वनमंज्ञवचाम ॥ ८ ॥ फनाहूं हूं फनामैं सकलाविद्याधिपकवूलाम

यमसुरादि ह्यानप्रभानसाहिता॥ ॥नमामि२वागीश्वनहावहावनाहितचन्द्रास्तना
२मार्ल्लीलिंगिकवयमुजनवऊवजयश्वाङ्कमाकृ॥ ॥नमामि२मैज्ञक्रमानामू
डायद्ह्यधिकर२श्वाह्नना २ नानानल ह्यधिक२हामत्रविधिक्रमश्वाम्रधना
न्॥ ॥नमामि२त्रिभुवनश्वनस र्वमाकार्थकानश्वाकृ २ ह्यानमार्गेल ९४
हायाकुत्रलार्थीकनमाऊकृ॥ ॥नमामि२श्रीवजसत्वजन्मजन्मगुह्य२श्वानक्षा
२सफग्नवनर२महावप्रमाद२हितमकत्वजनहावा॥ ॐ॥ नागकामात॥ष

स्माली छपद्ता भवाक्रान्का २ नीलवर्णे त्रकास्यापिंगलज्रया॥ भ्रू॥ नमामित्रीनुक
ज्ञरित्रिजगत्महिका २ कृक्लिसिद्धिदाता रुवरुयहनह॥ ॥रहिनरवज्रभन
वज्रकालिधना २ वामउत्पलचाप पनगु कपालधना॥ ॥आघ्रवर्मव
ष्ट्रघवेलन्वारना २ धीनाद हास्त नाद्रुवनमुण्डुमाला॥ ॥जिनवल
मौलिलपधना २ गनुपाद्शिनधीनलवज्रगीका॥ ॥ नागधना श्री॥ प्र
स्माली छपद भवाक्रान्काघवेलवाद्रनकृष्णवर्णे नृपा २ त्रकवद्रनजीनिला

चना॰वड्डुजाछीयीन्चर्मकटिवस्थिका॥ ॐ ॥२वीव्रकजटिजागजननीहांवाल
वनूपीनि॥ ॥सर्वजगतजाहजवककहिंनऊ २नीमाकृप्रयायमि २स्वजक
मटिकपालनीलास्यलावामरहि नजुजधानी २ जूरनागमकूनधविक्रू
षिकथीवनूडनननिशिनमाला॥ ॥विक्रियकास्वजामिथमगिक्रुउ ॥९५॥
लकाल्मिनलस्तक्कव २ गुजवैनाचनकटियजमाघनिक्रिपञ्चामृजाक्सिपि
ही॥ ॥सकगूनुप्रसादगमवकिहर्यकनमायास्वप्नोपमा २ श्रीडुर्गकानामि

पञ्चरक्षा

स्यगतधनीयानत्काविभाहिविश्वपिका॥ ॐ॥ नागधना श्री॥ आदिवर्णह
वबिन्दुस्थितधीवीजसंजात २ सनचक्रसम ६ हाजभामूक्तटस्वर्णज्ञा॥ ङ्क॥ नमा
मिश्रीत्रैलोक्याधिपञ्जनर्यचंनमे १ ज्ञाप्रियं २ बालनसमनबिम्बसमन्का
ज्ञानं ॐदनकनी॥ ॥ हिह्निनञ्जु लिवत्रहासर्ङ्कदननागधक्षमाहक
नं २ वामपूल्लकधर्म्मगंजप्रकाभितधर्म्मस्कंध॥ ॥ हिह्निनवामसनचायप्र
ज्ञालिगितचतुर्माना २ कभिनीउपकाभिन्यादिसाहितअष्टानचक्र॥ ॥ जि

नमस्तुभ्यं नमःश्रीवृजभनवमधवदिनत्वबज २ यस्मनान्तमंहक्रमानंअखिल
मथनाभनं॥ ॐ॥ नागतलिक॥ जयविघ्नान्तक हूँकान्तजाल २ गजमत्त्वग
धर्मदिक्षालिंगधमपस्थ्य॥ हूं॥ नमामिचक्रमूलवक्त्राधनाथा २ खंव
कनीलवर्ण पिंगलकेश॥ ॥ यत्कुञरदहिनकन्ताभिभूतदमनू २
वामकमालया नरवध्वीगर्भी॥ ॥ मुण्डमालाव्याघ्रचर्मलम्बोदरना २ द
महिगमानविध्वंसनधीना॥ ॥ क्रीक्रीमिक्रीवलयविनाशनं २ गवक्रिहूं ॥१९॥

कायवज्रगीका॥ ह्रीं॥ नागमवज्र॥ नमामि शश्वागाम्बन ह्रीं श्वनी ज्ञानडाकिनी २

ज्ञालिगन॥ २ डनिकहन॥ अभिवववनम्द्र हातडाकिनीपनम श्वना॥ फ्रं॥

हना हूं हूं श्कना हूं हूं हूं॥ ॥ह्रि नफनगनवज्ञमधनवनक्रचशीव

ब्रह्मकपालधना २ वज्रघण्टा त्रिशिलायनमन्दनप्रहासिनका

धश्रीगना॥ ॥विविधिमानवलविघ्नविनाशनमाङ्गसिद्धिवलदायका

जन्मजन्मकृतपापहृदयंकनआरिवज्रपनमश्वना॥ ॥प्रणमवज्रपद

मानकवर्गाकि लावकुञ्जिमाकपदा २ हनकुलवकुरववन्वनक्राअनसर्वम

लहियाप्रभारकना ॥ ९ ॥ नागहन्वाल ॥ ॐ आ हूँ स्वकावनूपानीलकी

मृदुमंकाला २ स्वर्बलंबादनवि ॥ विनयनवाविवदनरूयंकना ॥

ॐ ॥ रवश्रीमहाकालहूँकान ॥ मनाकिमाक्रिमिक्रिवनदाका २ कन

किरवर्ष्यनरवदांगजि शूलमानरर्ष्यमहाविका ॥ ॥ निपुहूदथापविप्र ॥ ८ ॥

ग्रालीका स्याघ्रवमेमञ्जुमाला २ मौलिअक्राखजिनवन ॥ मनवानी ॥

महावीना॥ ॥ईं स्वाकनालललजिह्वाह्रक्रूटिकुर्द्रपिंगलकेशा॥ हुजं
गान्हनयहापिकईहाहीयमस्वापिकयंकना॥ ॥श्रीमहाकालत्रिकुवंदे
वाघननन२भविका समगृ नुश्रीनागभजनचनन४कमलवन्दि
का॥ ह्रीँ॥ नागकाउ॥ अमिनी लवर्षु ईं कानवीउं विकुजत्रकम्
स्वं२ त्रिलिनक्रंउर्इके॥ ईस्वाकनालक्राथवीना॥ ५॥ नमामिश्रीमहा
कालमानभत्रह्यहनधी॥ ॥ईहिनकुउकनाभिअग्निलमघानिपुरु

रनं २ वामङुञ्जमध्यरवधांशगब्रह्मकपालनक्तपूर्ण ॥ ॥ उर्द्ध्वकालीकाल
वानूरुअभिमन्दनालम्बाद्र २ ॥ हा २ नवबिलमालाग्रीवर ॥ हावम्बा
प्रवर्मकर्धीमृपिका ॥ ॥ हा ॥ हनपनभूद्दनागा ॥ श्रीमहाकालस
हाश्रध्यमं २ हानपादिनमनाह र्यं स्तवं समाप्ति सिद्धि फलसं ॥ ॥ स्त
मगदूपाद्रप्रमादनश्रीवज्रदेवी ॥ जिनमनाः २ गावदिवतप्रहुआचार्यश्री ॥९८॥
नलप्रयजनम ॥ ॐ ॥ नागकनारा ॥ त्रिभुवनकालिकमहि हूं कालबीज